Title : Situation arising out of police excesses in Siwan district, Bihar.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : उपाध्यक्ष महोदय, कल मेरे निर्वाचन क्षेत्र, बिहार के महाराजगंज में पुलिस ज्यादती की जो घटना हुई है, उसे मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने लाना चाहता हूं। कल दिनांक 16.08.2005 को सुबह साढ़े छः बजे 12 वर्ा का एक लड़का निशांत नागराजनज स्कूल पढ़ने जा रहा था तभी उसे एक जीप ने धक्का मारा। लड़का सड़क पर गिरा तो उसी समय पीछे से आ रहा ट्रक उस पर चढ़ गया। उस लड़के की वहीं मौत हो गयी। चूंकि स्कूल बगल में था इसलिए स्कूल के छोटे-छोटे बच्चे और शिक्षक घटनास्थल पर धरने पर बैठ गये। उनकी यह मांग थी कि वहां पहले सिवान के कलैक्टर आये, उसके बाद हम धरना समाप्त करेंगे। उसके बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया जाये। इस घटना के तीन-चार घंटे बाद वहां एक मजिस्ट्रेट पहुंचे। उन लोगों ने उनसे कहा कि आप कलैक्टर साहब को बुलाइये जबकि घटनास्थल से वहां के एसडीओ का कार्यालय और आवास तीन बीघा की दूरी पर है। थाना दो बीघा और डीएसपी तीन बीघा की दूरी पर रहते हैं। वे सारे लोग वहां धरने पर बैठे रहे। दो-ढाई बजे के करीब पुलिस बल और वहां के सिविल एसडीओ आये और अचानक लड़कों पर अंधाधुंध लाठी चलाने लगे। लाठी चलने से वहां भगदड़ मच गयी। इस बीच लड़कों ने भी कुछ ईंटें और पत्थर पुलिस पर चलाये तो पुलिस ने गोली चला दी जिससे घटनास्थल पर तीन आदमियों की मृत्यु हो गयी और 10-12 लोग घायल हो गये। हमने प्रशासन के लोगों से बात की। â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please do not make noise.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : सबसे पहले पुलिस की गोली में जो लोग मारे गये, मैं उनके नाम आपको बता दूं। उन मरने वालों में एक राजनेश मांझी, पिता धुरंधर मांझी की उम्र 21 वर्ा थी। वह वहां के एक प्राइवेट स्कूल में पन्द्रह सौ रुपये की नौकरी करकर अपने परिवार की जीविका चलाता था। दूसरा लड़का शैलेश मेहता, पिता मंगल मेहता है जो ठेले पर हुचका बेचकर अपने परिवार की जीविका चलाता था। तीसरे लड़के का नाम हमें मालूम नहीं हुआ। इसके अलावा एक और व्यक्ति को गोली लगी है जिसका नाम श्रवण कुमार है। इसका पिता अभी पीछे ही मरा है। कल या परसों उसके पिता का श्राद्ध है। वह अपने घर की छत पर खड़े होकर पुलिस को बर्बरता को देख रहा था कि तभी उसे गोली लगी। वह भी मरणासन्न है। जब हमने इस संबंध में कलैक्टर से बात की, तो उन्होंने कहा कि क्या आपको यह सही जानकारी है कि लोग हमें बुलाने के लिए कह रहे थे ? चूंकि वहां के पदाधिकारियों ने उन्हें सूचना दी थी कि स्थिति नार्मल है, कोई तनावपूर्ण नहीं है इसलिए वह वहां नहीं जा सके। इस बीच उनको सूचना मिली कि कुछ राजनीतिक लोग पीछे से पुलिस पर ईंट और पत्थर चला रहे हैं, तो पुलिस ने अपने बचाव के लिए गोली चलाई। अब किसका दोा है और किसका दोा नहीं है, यह जांच का विाय है। लेकिन इतना सत्य है कि जो लोग मरे हैं, वे कहीं से भी दोाी नहीं हैं।

हम आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहते हैं कि सरकार इस गंभीर मामले की जांच कराये और मृतक के परिवार को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा, दोाी पुलिस पदाधिकारियों पर कार्रवाई और जो लोग घायल हुए हैं, उनको एक-एक लाख रुपये का मुआवजा देने की व्यवस्था करे। यहां पर सरकार का कोई जिम्मेवार मंत्री नहीं बैठा हुआ है। केवल वित्त मंत्री जी बैठे हुए हैं। अब वित्त मंत्री जी इसका रिस्पांस करें या आप आसन से कोई निर्देश दें क्योंकि इस तरह से सत्यनारायण जी की कथा पढ़ने का कोई मतलब नहीं होगा।

उपाध्यक्ष महोदय, हम आपसे कहना चाहते हैं कि आप इस संबंध में सरकार को निर्देश दीजिए। क्या छोटे-छोटे बच्चों पर सरकार गोली चलवायेगी ? बिहार में राट्रपति शासन है। वहां भारत सरकार का शासन चल रहा है। ऐसे मामलों में सरकार रिस्पांस नहीं करेगी, तो फिर किसमें करेगी ? हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि आप आसन से सरकार को निर्देश दीजिए कि सरकार इसका रिस्पांस दे।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Unfortunately, I cannot compel the Government.

श्री सुशील कुमार मोदी (भागलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा भी इस संबंध में नोटिस है। â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मोदी जी, आप एसोसियेट कर लें।

...(व्यवधान)

श्री सुशील ुमार मोदी : मैं एक-दो लाइन बोलना चाहता हूं। â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, आप कम्पेल मत कीजिए। हमारा कहना है कि सरकार इस संबंध में सूचना तो ग्रहण करे। आप सरकार को यह निर्देश तो दे सकते हैं। â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : सरकार बैठी है। उनके नोटिस में यह मामला आ गया है।

...(व्यवधान)

श्री सुशील कुमार मोदी : उपाध्यक्ष महोदय, अभी प्रभुनाथ सिंह जी ने जिन बातों को रखा है। â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप इसमें एसोसियेट करना चाहेंगे।

...(व्यवधान)

श्री सुशील कुमार मोदी : मैं इसमें दो लाइन बोलना चाहता हूं। कल शहीद फुलेना प्रसाद का धरने पर बैठे हुए थे। यह बड़ा दुखद है कि तीन लोग पुलिस फायरिंग में मारे गये। वहां महामहिम राज्यपाल जी को तत्काल जाना चाहिए। मैं मांग करता हूं कि महामहिम राज्यपाल जी वहां तत्काल जायें और जो लोग मरे हैं, उनके परिवार के लोगों को पांच लाख रुपये का मुआवजा मिलना चाहिए। अभी भी वहां आतंक और भय का माहौल है तथी कभी भी दोबारा कोई घटना घट सकती है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करूंगा कि चूंकि वहां केन्द्र सरकार का शासन है इसलिए गृह मंत्रालय को इसमें अविलम्ब हस्तक्षेप करना चाहिए, नहीं तो पूरे इलाके में स्थिति विस्फोटक हो जायेगी।